वृदावन जाने को जी चाहता है

वृदावन जाने को जी चाहता है,
राधे राधे गाने को जी चाहता है,

वृदावन मेरे बांके बिहारी,
बांके बिहारी की लीला है न्यारी,
ये नैना लड़ाने को जी चाहता है,
राधे राधे गाने को जी चाहता है,
वृदावन जाने को जी चाहता है,

वृदावन में संत बहुत है,
वृदावन में भगत बहुत है,
संत बहुत है रसिक बहुत है,
शीश झुकाने को जी चाहता है,
वृदावन जाने को जी चाहता है,

स्वर : रवी नंदन शास्त्री जी

https://visualasterisk.com/bhajan/lyrics/id/2927/title/vrindavan-jaane-ko-jee-chata-hai-radhe-radhe-gane-ko-jee-chahta-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |